I NEW

परिशोधित स्नातक पाठ्यक्रम

पटना विश्वविद्यालय, पटना

हिन्दी

सत्र : 2015–16

स्नातक (बी॰ए॰, बी॰एससी॰, बी॰कॉम॰)

खण्ड–एक (Part One)

अनिवार्य भाषा पत्र – 100 अंक

हिन्दी भाषियों के लिए

अंक विभाजन

(क) पाठ्य पुस्तक से परिचयात्मक प्रश्न	–	2 X 15 =
(ख) पाठ्य पुस्तक से भावार्थ	–	2 X 5 =
(ग) निबंध (सामयिक, सामाजिक, राजनीतिक, प्राकृतिक, साहित्यिक आदि से संबंधित पाँच प्रश्न (खण्ड–एक) (एक उत्तर अपेक्षित)	–	1 X 20 =
	–	1 X 10 =
(घ) संक्षेपण	–	1 X 10 –
(ङ) पत्र–लेखन	–	3 X 2 =
(च) मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ		
(छ) संधि, समास, लिंग, वचन, कारक, [illegible], क्रिया, उपसर्ग एवं प्रत्यय	–	2 X 5 =
		कुल 100

निर्धारित पाठ्य पुस्तक

हिन्दी गद्य पद्य संग्रह भाग –1 – डॉ॰ दिनेश प्रसाद सिंह, मोतीलाल बनारसी दास, पटना

326
165
378 | 50

1.

Scanned by CamScanner

गद्य भाग से : उसने कहा था, कफन, पत्नी, राजा निरबंसिया, अकेली मलबे का मालिक।

पद्य भाग से : विद्यापति : माधव कत तोर करब बड़ाई, सखि हे हमर दुखक नहि ओर।

कबीर : साखी : 1, 4, 5, 7, 10, 12, 13, 14, 16, और 18।

रैदास : कहु मन राम नाम सँभारि।

सूरदास : तजौ मन हरि–विमुखनि कौ संग, सोभित कर नवनीत लिए, अँखियाँ हरिदरसन की प्यासी।

तुलसीदास : राम और लक्ष्मण का शील वैविध्य।

बिहारी : दोहा सं0 : 1, 2, 3, 5, 6, 10, 11, 14, 15 और 17।

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : भारत दुर्दशा।

मैथिलीशरण गुप्त : मातृभूमि।

सुभद्रा कुमारी चौहान : वीरों का कैसा हो वसंत।

❖❖

स्नातक खण्ड–एक (Part One)

अनिवार्य भाषा पत्र – 50 अंक

अहिन्दी भाषियों के लिए

अंक विभाजन

(क)	पाठ्य पुस्तक से परिचयात्मक प्रश्न	–	2 X 10	= 2
(ख)	पाठ्य पुस्तक से भावार्थ	–	1 X 5	=
(ग)	निबंध (सामयिक,, सामाजिक, राजनीतिक, प्राकृतिक साहित्यिक आदि से संबंधित पाँच प्रश्न जिनमें एक का उत्तर अपेक्षित	–	1 X 10	=
(घ)	वाक्य–शोधन	–	5 X 1	=
(ङ)	संज्ञा, सर्वनाम, कारक, क्रिया और वचन	–	2 X 5	–
				कुल 50 अं

निर्धारित पाठ्य पुस्तक

(1) हिन्दी गद्य पद्य संग्रह – डॉ0 दिनेश प्रसाद सिंह
ओरियंट लौंगमैन प्रकाशन, दिल्ली

Scanned by CamScanner

निर्धारित अंश

गद्य भाग से :	सद्गति (कहानी)	:	प्रेमचंद
	बाबर की ममता (एकांकी)	:	देवेन्द्रनाथ शर्मा
	नाखून क्यों बढ़ते हैं (निबंध)	:	हजारीप्रसाद द्विवेदी
	ठेले पर हिमालय (यात्रावृत)	:	धर्मवीर भारती
	रुपा की आजी (रेखाचित्र)	:	रामवृक्ष बेनीपुरी

पद्य भाग से :	कबीर	:	साखी
	रैदास	:	अब कैसे छूटै नाम रट लागी
	सूरदास	:	बाल वर्णन
	तुलसीदास	:	मन पछितैहैं अवसर बीते
	रहीम	:	दोहे
	बिहारी	:	दोहे
	भारतेन्दु हरिश्चंद्र	:	भाषा महत्व

वैकल्पिक पत्र (Subsidiary) I

अंक विभाजन

(क) निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से आलोचनात्मक प्रश्न	:	3 X 15
(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न	:	3 X 10
(ग) लघूत्तरी प्रश्न	:	3 X 5
(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10 X 1
		कुल 10

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

01. रामचरितमानस : बालकाण्ड : पुष्पवाटिका प्रसंग, परशुराम–

02. काव्य–कानन : सं० गणेशानंद झा, गायत्री देवी : मोतीलाल बनारसीदास, पटना

निर्धारित पाठ :

कबीर : साखी सं. 1, 2, 5, 6, 7, 8, 9, 11, 15, 18, 19, 20, 22, 25 और 27

जायसी : नख–शिख खंड

Scanned by CamScanner

सूरदास : पद सं. – 1, 4, 8, 10, 13, 15, 17, 18, 20, 21, 22 और 23

रसखान : सवैया सं. – 1, 2, 3, 5, 6, 7, 9, 11, 12 और 17

बिहारी : दोहा सं. – 1 से 15 तक

घनानंद : पद सं. – 2, 4, 7, 8, 10, 11, 13, 14, 20 और 24

03. रेणुका : दिनकर :

निर्धारित अंश

बोधिसत्व, पाटलिपुत्र की गंगा से, [illegible] जागरण, मनुष्य

04 काव्य धारा : सं0 डॉ0 दिनेश प्रसाद सिंह एवं डॉ0 दिलीप राम – नोवेल्टी एंड [illegible]

निर्धारित अंश :

मैथिलीशरण गुप्त	–	मातृ–मूर्ति
जयशंकर प्रसाद	–	पेशोला की प्रतिध्वनि
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	–	जागो फिर एक [illegible]
हरिवंश राय बच्चन	–	दीपशिखा बन [illegible]
गोपाल सिंह नेपाली		यह मेरा हिन्दुस्तान
सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय	–	वसंत गीत
त्रिलोचन	–	आत्मालोचन
नागार्जुन	–	शहर में सुअरिया
रघुवीर सहाय	–	नया शब्द

Scanned by CamScanner

PART - 1

स्नातक प्रथम खण्ड
सम्मान (Honours)
प्रथम पत्र
हिन्दी साहित्य का इतिहास

अंक विभाजन

आलोचनात्मक प्रश्न	:	4 X 15 = 60
लघूत्तरी प्रश्न	:	4 X 5 = 20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	20 X 1 = 20
		कुल 100 अंक

पाठ्य विषय : हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, साहित्येतिहास में काल विभाजन और नामकरण की समस्या, आदिकाल, पूर्व मध्यकाल, उत्तरकाल और आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, विशिष्ट रचनाकार, उनकी प्रतिनिधि कृतियां एवं साहित्यिक विशेषताएँ, हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं का विकास।

सहायक पुस्तकें :

01. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
02. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवदी
03. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र
04. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी
05. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – डा0 राम स्वरूप चतुर्वेदी

स्नातक प्रथम खण्ड
द्वितीय पत्र
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

अंक विभाजन

आलोचनात्मक प्रश्न	:	2 X 20 = 40
व्याख्या	:	2 X 10 = 20
लघूत्तरी प्रश्न	:	4 X 5 = 20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	20 X 1 = 20
		कुल 100 अंक

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

01. प्राचीन काव्य : पृथ्वीराज रासो : (संक्षिप्त) – डॉ0 दिलीप राम, नोवेल्टी एंड कंपनी, पटना

Scanned by CamScanner

निर्धारित अंश

शहाबुद्दीन पृथ्वीराज युद्ध

अथवा

विद्यापति पदावली– सं0 रामवृक्ष बेनीपुरी (शुरू के पाँच पद)

02. मध्यकालीन हिन्दी काव्य : सं0 डॉ0 वीणा श्रीवास्तव, मोतीलाल बनारसीदास, पटना
डॉ0 दिनेश प्रसाद सिंह, मोतीलाल बनारसीदास, पटना

निर्धारित कविताएँ

कबीर : पद सं0 1 से 5 तक, साखी– गुरुदेव को अंग, सुमिरन को अंग, विरह को अंग।
जायसी : नागमती वियोग खंड
मीरा : पद सं0 1 से 10 तक

03. आयोध्या कांडः तुलसीदास : वाल्मीकि आश्रम में राम – दोहा सं0 124 से 133 तक

04. सूरदास : बाल लीला - पद सं0 1 से 5 तक

NEW

II

स्नातक द्वितीय खण्ड

अनिवार्य भाषा पत्र – 100 अंक
हिन्दी भाषियों के लिए
अंक विभाजन

(क)	निर्धारित पाठ्य पुस्तक से परिचयात्मक प्रश्न	:	2 X 15 = 30
(ख)	पाठ्य पुस्तक से भावार्थ	:	2 X 5 = 10
(ग)	निबंध (सामयिक, प्राकृतिक, सामाजिक, राजनीतिक, साहित्यिक आदि से संबंधित 5 प्रश्न जिनमें एक का उत्तर अपेक्षित	:	1 X 20 = 20
(घ)	पल्लवन	:	1 X 10 = 10
	अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद	:	1 X 10 = 10
	टिप्पण, प्रारुपण, आलेखन	:	1 X 5 = 5
	वाक्य शोधन	:	5 X 1 = 5
(ङ)	पर्यायवाची शब्द, विपरीतार्थक शब्द, अनेकार्थी शब्द, श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	:	2 X 5 = 10
			कुल 100 अंक

Scanned by CamScanner

01. हिन्दी गद्य–पद्य संग्रह (भाग–2) : सं0 डॉ0 दिनेश प्रसाद सिंह -- मोतीलाल बनारसीदास

निर्धारित अंश:

गद्य भाग से :

साहित्यिक निबंध : साहित्य का स्वरूप -- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
एकांकी : नीली झील – धर्मवीर भारती
संस्मरण : महाकवि निराला – आचार्य शिवपूजन सहाय
रेखचित्र : बिन्दा: मेरी बाल सखी – महादेवी वर्मा
यात्रा साहित्य : बहता पानी निर्मला – अज्ञेय
रिपार्ताज : उड़ि गए फुलवा रह गई बास - भदन्त आनंद कौसल्या
साक्षात्कार : रेणु का एक अंतरंग साक्षात्कार – लोठार लुत्से

पद्य भाग से :

जयशंकर प्रसाद : मानवता की धारा
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : संध्या सुंदरी
सुमित्रानंदन पंत : प्रथम रश्मि
महादेवी वर्मा : मैं नीर भरी दुख की बदली
रामधारी सिंह दिनकर : नील–कुसुम
नागार्जुन : कालिदास सच–सच बतलाना
गोपाल सिंह नेपाली : मेघ–संदेश
केसरी कुमार : मरण तू
धर्मवीर भारती : टूटा पहिया
केदारनाथ सिंह : पानी में घिरे हुए लोग

❖

Scanned by CamScanner

अनिवार्य भाषा पत्र – 50 अंक
अहिन्दी भाषियों के लिए
अंक विभाजन

(क) पाठ्य पुस्तक से परिचयात्मक प्रश्न	2 X 10 = 20
(ख) पाठ्य पुस्तक से भावार्थ	1 X 5 = 5
(ग) निबंध (सामयिक, प्राकृतिक, सामाजिक, राजनीतिक, साहित्यिक आदि से संबंधित 5 प्रश्न जिनमें 1 का उत्तर अपेक्षित	1 X 10 = 10
(घ) संक्षेपण, प्रारुपण, पल्लवन, मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	2 X 5 = 10
(ङ) पारिभाषिक शब्दावली	5 X 1 = 5
	कुल 50 अंक

निर्धारित पाठ्य पुस्तक

01. हिन्दी गद्य–पद्य संग्रह (भाग–2) : सं0 डॉ0 दिनेश प्रसाद सिंह
ओरियंट लॉंगमैन प्रकाशन, दिल्ली

निर्धारित अंश

गद्य भाग से :

एक टोकरी भर मिट्टी	– माधवराव सप्रे
दुलाई वाली	– बंग महिला (श्रीमती राजेन्द्र बाला घोष)
इमाम साहब	– नासिरा शर्मा
खून का रिश्ता	– भीष्म साहनी
बयान	– कमलेश्वर
तिरिछ	– उदय प्रकाश

पद्य भाग से :

मैथिलीशरण गुप्त	– दोनों ओर प्रेम पलता है
जयशंकर प्रसाद	– लेचल मुझे भुलावा देकर
माखनलाल चतुर्वेदी	– बेटी की बिदा
रामधारी सिंह दिनकर	– समर शेष है
हरिवंश राय 'बच्चन'	– इस पार उस पार
आरसी प्रसाद सिंह	– जीवन का झरना

Scanned by CamScanner

स्नातक द्वितीय खण्ड

वैकल्पिक पत्र (Subsidiary)

समय : 3

अंक विभाजन

)	निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से आलोचनात्मक प्रश्न	:	3 X 15 = 45
)	व्याख्यात्मक प्रश्न	:	3 X 10 = 30
)	लघूत्तरी प्रश्न	:	3 X 5 = 15
)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10 X 1 = 10
			कुल 100 अंक

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

01. **ललित निबंध -- सं0 डॉ0 दिनेश** प्रसाद सिंह, मोतीलाल बनारसीदास, पटना

निर्धारित पाठ

चढ़ती उमर, मैं हज्जाम हूँ, बसंत आ गया है, आँगन का पंछी, इंगलैंड, [illegible] कौन–सा ?

02. **निर्मला – प्रेमचंद**

03. **दस तस्वीरें – सं0 डॉ0 दिनेश** प्रसाद सिंह, डॉ0 दिलीप राम, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्धारित पाठ

एक घूँट, पृथ्वीराज की आँखें, रीढ की हड्डी, स्ट्राइक, अंडे के छिलके।

Scanned by CamScanner

स्नातक द्वितीय खण्ड
सम्मान (Honours)
तृतीय पत्र

उत्तर मध्यकालीन और आधुनिक हिन्दी काव्य

समय : 3 घ

अंक विभाजन

पाठ्य पुस्तक से आलोचनात्मक प्रश्न	:	2 × 20 = 40
व्याख्यात्मक प्रश्न	:	2 × 10 = 20
लघूत्तरी प्रश्न	:	4 × 5 = 20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	20 × 1 = 20
		कुल = 100 अंक

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

01. मध्यकालीन हिन्दी काव्य : डॉ0 वीणा श्रीवास्तव एवं डॉ0 दिनेश प्रसाद सिंह
मोतीलाल बनारसी दास, पटना

निर्धारित कविताएँ

बिहारी	:	दोहा सं0 1 से 20 तक
घनानंद	:	सवैया सं0 1 से 10 तक, कवित्त 1 से 10 तक
रसखान	:	सवैया सं0 1 से 20 तक
भूषण	:	घनाक्षरी सं0 1 से 5 तक, कवित्त 1 से 5 तक

02. आधुनिक हिन्दी काव्य – सं0 डॉ0 दिनेश प्रसाद सिंह, डॉ0 दिलीप राम
मोतीलाल बनारसी दास, पटना

निर्धारित एकांकी (पाठ)–

भारतेन्दु हरिश्चंद्र	: तुम भौंरा मधु के लोभी
मैथिलीशरण गुप्त	: गृहविनिष्क्रमण
जयशंकर प्रसाद	: तुमुल कोलाहल कलह में
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	: संध्या–सुन्दरी, जागो फिर एक बार
सुमित्रानंदन पंत	: नौका–विहार
महादेवी वर्मा	: मधुर–मधुर मेरे दीपक जल
माखनलाल चतुर्वेदी	: पुष्प की अभिलाषा

Scanned by CamScanner

स्नातक द्वितीय खण्ड

सम्मान (Honours)

चतुर्थ पत्र

छायावादोत्तर हिन्दी काव्य

समय : 3 घं॰

अंक विभाजन

पाठ्य पुस्तक से आलोचनात्मक प्रश्न	:	2 X 20 = 40
व्याख्यात्मक प्रश्न	:	2 X 10 = 20
लघूत्तरी प्रश्न	:	4 X 5 = 20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	20 X 1 = 20
		कुल = 100 अंक

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

01. छायावादोत्तर हिन्दी काव्य : डॉ0 दिनेश प्रसाद सिंह, डॉ0 दिलीप राम
मोतीलाल बनारसी दास, पटना

निर्धारित पाठ

रामधारी सिंह 'दिनकर'	:	हिमालय
हरिवंशराय 'बच्चन'	:	दीपशिखा बन जाओ
सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	:	वसंत गीत
गजानन माधव 'मुक्तिबोध'	:	एक अरुप शून्य के प्रति
जानकी वल्लभ शास्त्री	:	मेघ गीत
धर्मवीर भारती	:	पराजित पीढ़ी का गीत
भवानी प्रसाद मिश्र	:	गीत फरोश
नागार्जुन	:	शासन की बंदूक, अकाल और उसके बाद
सर्वेश्वरदयाल सक्सेना	:	काठ की घंटियां
धूमिल	:	मोचीराम

02. है ताज हिमालय के सिर पर : गोपाल सिंह नेपाली -- सं. डॉ0 सतीश कुमार राय
वागमती प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

Scanned by CamScanner

निर्धारित कविताएँ

स्वतंत्रता की ओर, भाई–बहन, विशाल भारत, मैं गायक हूं स्वच्छन्द हिमांचल का; एक देश एक राष्ट्र, एक राष्ट्रभाषा।

स्नातक तृतीय खण्ड
सम्मान (Honours)

पंचम पत्र

हिन्दी कथा साहित्य

अंक विभाजन

पाठ्य पुस्तक से आलोचनात्मक प्रश्न	:	2 X 20 = 40
व्याख्यात्मक प्रश्न	:	2 X 10 = 20
लघुत्तरी प्रश्न	:	4 X 5 = 20
वस्तुनिष्ट प्रश्न	:	20 X 1 = 20
		कुल = 100 अंक

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

01 त्याग पत्र : जैनेन्द्र

02 भारत की श्रेष्ठ कहानियां : सं0 डॉ0 दिनेश प्रसाद सिंह
वातायन प्रकाशन, पटना।

निर्धारित पाठ – शुरु से दस कहानियाँ

अथवा

तेईस हिन्दी कहानियाँ – संपादक – जैनेन्द्र कुमार, लोकभारती प्रकाशन
निर्धारित कहानियाँ – कफन, उसने कहा था, गुंडा, खुदाराम, गफ्रील, तत्सत

Scanned by CamScanner

स्नातक तृतीय खण्ड
सम्मान (Honours)

षष्ठ पत्र

हिन्दी नाटक और निबंध साहित्य

अंक विभाजन :

पाठ्य पुस्तक से आलोचनात्मक प्रश्न	:	2 X 20 = 40
व्याख्यात्मक प्रश्न	:	2 X 10 = 20
लघुत्तरी प्रश्न	:	4 X 5 = 20
वस्तुनिष्ट प्रश्न	:	20 X 1 = 20

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

01. ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

अथवा

लहरों के राजहंस – मोहन राकेश

02. त्रिवेणी – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

स्नातक तृतीय खण्ड
सम्मान (Honours)

सप्तम पत्र

यह पत्र दो खंडों में विभक्त होगा। प्रथम खंड से अंकों के आवंटन के अनुसार परीक्षार्थियों को निर्धारित विषय पर उत्तर देना है। दूसरा खंड मौखिकी के लिए निर्धारित है। इसमें परीक्षार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य है। इसका पूर्णांक 25 और उत्तीर्णांक 12 अंकों का होगा।

Scanned by CamScanner

प्रथम खंड

साहित्य सिद्धांत और साहित्यालोचन

अंक विभाजन

आलोचनात्मक प्रश्न	3 X 15 = 45
लघूत्तरीय प्रश्न	4 X 5 = 20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10 X 1 = 10

निर्धारित पाठ्य विवरण :

भारतीय साहित्य सिद्धांत –	काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य प्रकार (भेद), शब्द शक्ति, काव्य गुण, काव्य दोष, रस, अलंकार, रीति, ध्वनि और वक्रोक्ति सिद्धांतों का सामान्य परिचय
अलंकारों का लक्षण उदाहरण –	यमक, उपमा, रुपक, उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान, श्लेष, असंगति, विरोधाभास, अतिशयोक्ति, विभावना
छंदो का लक्षण– उदाहरण –	दोहा, चौपाई, रोला, सोरठा, कवित्त, छप्पय, कुंडलिया, घनाक्षरी, बरवै, उल्लाला
साहित्य की विधाएँ –	कविता, नाटक, उपन्यास और कहानी का स्वरुप विवेचन

सहायक पुस्तकें :

साहित्यालोचन	–	श्यामसुन्दर दास
भारतीय काव्य चिंतन	–	डॉ0 शोभाकान्त मिश्र

द्वितीय खंड

मौखिकी

इसके अन्तर्गत परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति–क्षमता एवं व्यक्तित्व–परीक्षण होगा।

Scanned by CamScanner

स्नातक तृतीय खण्ड
सम्मान (Honours)

अष्टम पत्र (विशेष)

इस पत्र में किसी एक खण्ड का अध्ययन अनिवार्य है।

खण्ड (क) छायावाद
खण्ड (ख) प्रेमचंद

खण्ड(क) छायावाद

अंक विभाजन :

पाठ्य पुस्तक से आलोचनात्मक प्रश्न	:	2 X 20 = 40
व्याख्यात्मक प्रश्न	:	2 X 10 = 20
लघूत्तरी प्रश्न	:	4 X 5 = 20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	20 X 1 = 20

निर्धारित पाठ्य ग्रंथ :

01. लहर : जयशंकर प्रसाद

निर्धारित कविताएँ – उठ–उठ री लघु–लघु लोल–लहर, ले चल मुझे भुलावा देकर,

02. अनामिका : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

निर्धारित कविताएँ – सम्राट अष्टम एडवर्ड के प्रति, तोड़ती पत्थर, सरोज समृति,

03. गुंजन : सुमित्रानंदन पंत

निर्धारित कविताएँ – चाँदनी और एक तारा

04. संधिनी : महादेवी वर्मा

Scanned by CamScanner

: पुस्तकें :

01. निराला की साहित्य साधना (खण्ड 2)	–	डॉ0 रामविलास शर्मा
02. कवि निराला	–	आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी
03. निराला : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	–	सं0 प्रो0 तेजनारायण प्रसाद सिंह
04. निराला की कविताएँ : काव्य भाषा	–	रेखा खरे
05. त्रयी	–	आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री
06. जयशंकर प्रसाद	–	आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी
07. पंत और उनका गुंजन	–	प्रो0 केसरी कुमार
08. महादेवी का काव्य – सौष्ठव	–	डॉ0 कुमार विमल
09. महादेवी वर्मा	–	इन्द्रनाथ मदान

खण्ड (ख) प्रेमचंद

अंक विभाजन :

पाठ्य पुस्तक से आलोचनात्मक प्रश्न	2 X 20 = 40
व्याख्यात्मक प्रश्न	2 X 10 = 20
लघूत्तरी प्रश्न	4 X 5 = 20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	20 X 1 = 20

निर्धारित पाठ्य ग्रंथ :

01. गबन अथवा कर्ममूमि – प्रेमचंद
02. मानसरोवर (भाग–1)
    निर्धारित कहानियाँ – अलग्योझा, ईदगाह, बड़े भाई साहब, नशा, ठाकुर का कुआँ, घर जमाई, पूस की रात
03. कुछ विचार – प्रेमचंद
    निर्धारित निबंध – साहित्य का उद्देश्य, जीवन में साहित्य का स्थान, कहानी–कला (भाग 1 2 और 3), उपन्यास, उपन्यास का विषय, उर्दू, हिन्दी और हिन्दुस्तानी

सहायक पुस्तकें :

Scanned by CamScanner

01. प्रेमचंद और उनका युग — डॉ० रामविलास शर्मा
02. प्रेमचंद : विविध आयाम — सं० डॉ० दिनेश प्रसाद सिंह
03. प्रेमचंद : चिंतन और कला — डॉ० इन्द्रनाथ मदान
04. प्रेमचंद का चिंतन — डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी
05. प्रेमचंद : उर्दू – हिन्दी कथाकार — डॉ० जाफर रजा

Scanned by CamScanner